19 दिसंबर 2025
शुक्रवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

अतिक्रमण ने रोकी नाली, सड़क बनी नाला, प्रशासनिक चुप्पी से गिरधरबराव पंचायत में बढ़ा जनआक्रोश

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

आपकी आवाज

एक नजर

पंजाब में चलीं गोलियां: खूनी संघर्ष में बदला जीत का जश्न

लुधियाना। पंजाब के लुधियाना के गिल रोड स्थित बचित्तर नगर इलाके में ब्लॉक समिति चुनाव में जीत के जश्न के दौरान माहौल उस वक्त बेकाबू हो गया, जब आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़प हो गई। दोनों गुटों ने पहले एक-दूसरे पर पथराव किया और उसके बाद कांग्रेसी वर्कर ने फायरिंग शुरू कर दी। हैरानी की बात यह है कि जिस समय कांग्रेसी कार्यकर्ता ने गोलियां चलाईं उस समय महिलाएं और बच्चे भी बाहर मौजूद थे। यह वारदात उस समय हुई जब आप के वर्कर धन्यवाद रैली निकाल रहे थे। इस वारदात में गोलियां और पत्थर लगने से पांच लोग घायल हो गए। जिनमें 4 की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों की पहचान गुरमुख सिंह (65), रविन्द्र सिंह (44), गुरदीप सिंह (32), उदमवीर सिंह (25) और मनदीप सिंह (36) के रूप में हुई है। सभी को आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती कराया गया।

मिनी पाकिस्तान पर मचा बवाल

कोलकाता। कोलकाता नगर निगम (केएमसी) के सदन में गुरुवार को कथित 'मिनी पाकिस्तान' टिप्पणी को लेकर तीखी बहस से अफरा-तफरी मचा गई। इस टिप्पणी पर महापौर फिरहाद हकीम ने भाजपा को सबूत पेश करने की चुनौती दी। फिरहाद हकीम ने आरोप साबित होने पर इस्तीफा देने और राजनीति छोड़ने की कसम खाई। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के उस प्रस्ताव पर बहस के दौरान हंगामा बढ़ गया, जिसमें रवींद्रनाथ टैगोर और बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय जैसे प्रतिष्ठित व्यक्तियों पर सांस्कृतिक हमले की निंदा की गई थी। इस प्रस्ताव में 'वंदे मातरम' के नारे पर किसी भी प्रकार की रोक का विरोध किया गया था। प्रस्ताव पेश करते हुए टीएमसी पार्षद अरूप चक्रवर्ती ने सदस्यों से बंगाल की सांस्कृतिक विरासत को कमजोर करने के प्रयासों के खिलाफ एकजुट होने का आग्रह किया। प्रस्ताव का विरोध करते हुए भाजपा पार्षद सजल घोष ने सत्ताधारी पार्टी और महापौर पर तीखा हमला बोला।

जी राम जी के खिलाफ विपक्ष करेगा देशव्यापी आंदोलन

- मनरेगा को लेकर कांग्रेस ने बुलाई कार्यसमिति की बैठक

एजेंसी। नई दिल्ली

विपक्षी दलों ने मनरेगा से महात्मा गांधी का नाम हटाने के लिए लाए जी राम जी विधेयक का संसद से सड़क तक विरोध तेज करते हुए गुरूवार को संसद परिसर में भारी विरोध प्रदर्शन किया।राज्यसभा में नेता विपक्ष कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा पार्टी संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के नेतृत्व में विपक्षी दलों के सांसदों ने नए विधेयक का विरोध करते हुए गांधी प्रतिमा से संसद के मकर द्वार तक विरोध मार्च करते हुए इसे वापस लेने की मांग की। इस दौरान खरगे ने घोषणा कि दुनिया की सबसे बड़ी रोजगार योजना मनरेगा की ष्व्यवस्थित हत्याष के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन होगा। नाम समेत मनरेगा में बदलाव खिलाफ आगे की राजनीतिक लड़ाई की रणनीति तय करने के लिए कांग्रेस ने 27 दिसंबर को कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक बुलाई है। सूत्रों के अनुसार मनरेगा के अलावा राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण की गंभीर स्थिति पर भी कार्यसमिति में चर्चा की संभावना है। सरकार द्वारा जी राम जी विधेयक लोकसभा से पारित कराए जाने के खिलाफ विपक्षी सांसदों ने गुरूवार को सुबह संसद परिसर में विरोध मार्च निकाला।इसमें खरगे-सोनिया के अलावा द्रमुक के टीआर बालू, ए राजा, कनिमोझी, शिवसेना यूबीटी के अरविंद सावंत, आरएसपी के एनके प्रेमचंद्रन तथा आइयूएमएल के टी बशीर जैसे अन्य विपक्षी नेता नारे लगाते हुए विरोध मार्च में शामिल हुए। खरगे ने कहा कि यह केवल महात्मा गांधी नरेगा के नाम बदलने की बात नहीं है।

सड़क पर होगा पुरजोर विरोध

इस अहंकारी सत्ता का कोई भी ऐसा निर्णय जो गरीब और मजदूर विरोधी होगा, ऐसे प्रावधान के खिलाफ कांग्रेस पार्टी संसद और सड़क पर उसका पुरजोर विरोध करेगी। करोड़ों गरीब, मजदूरों और कामगारों के हकों को हम सत्ता के हाथों छिनने नहीं देंगें। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने पत्रकारों से कहा जी राम जी विधेयक मनरेगा को पूरी तरह खत्म कर देगा, इसलिए विपक्ष इस मुद्दे पर सरकार के कदम का जोरदार विरोध करने को लेकर एकजुट है। नए विधेयक में काम 100 दिन से बढ़ाकर 125 दिन करना उनका धोखा है क्योंकि जो भी बिल को ध्यान से पढ़ेगा उसे पता चल जाएगा कि यह योजना अगले कुछ दिनों में खत्म हो जाएगी। प्रियंका के अनुसार जैसे ही राज्यों पर बोझ पड़ेगा योजना धीरे-धीरे खत्म हो जाएगी क्योंकि राज्य सरकारों के पास पर्याप्त पैसा नहीं है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि संसद आज लोकतंत्र की हत्या देख रही है और मनरेगा से महात्मा गांधी का नाम हटाकर लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ-साथ राष्ट्रपिता की विचारधारा को भी खत्म करने की वे कोशिश कर रहे हैं।

मल्टी-लेन फ्री फ्लो टोल सिस्टम होगा लागू

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजमार्गों पर सफर करने वाले लोगों को 2026 के अंत तक टोल प्लाजा पर रुककर शुल्क देने की जरूरत नहीं पड़ेगी। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को बताया कि सरकार मल्टी-लेन फ्री फ्लो टोल सिस्टम लागू कर रही है। इसके तहत गाड़ी के चलते-चलते ही टोल कट जाएगा। गडकरी ने कहा कि अगस्त में शुरू किया गया फास्टैग एनुअल पास भी लोगों के लिए बड़ी राहत साबित हुआ है। इस पास से निजी वाहन 200 टोल प्लाजा पार कर सकते हैं। अब तक 40 लाख से ज्यादा निजी कार मालिक इस पास को ले चुके हैं। गडकरी ने बताया कि नए सिस्टम में सड़क के ऊपर लगे कैमरे वाहन का नंबर प्लेट पढ़ेंगे और टोल की रकम अपने आप वाहन के फास्टैग अकाउंट से कट जाएगी। यह प्रक्रिया तब भी होगी, जब वाहन 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रहा हो। गडकरी ने कहा कि इस बारे में उन्होंने बुधवार को राज्यसभा में जानकारी दी। इससे पहले दिन में उन्होंने राज्यसभा में कहा कि एमएलएफएफ सिस्टम से ईंधन की बचत होगी और इससे सालाना करीब 1,500 करोड़ रुपये का फायदा होगा। साथ ही टोल से होने वाली आय में करीब 6,000 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी होगी।

राजधानी में बिना प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र के नहीं

दिल्ली में अब नहीं मिलेगा डीजल-पेट्रोल-सीएनजी

- वायु प्रदूषण को लेकर सरकार ने उठाया सख्त कदम

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली में वायु प्रदूषण को लेकर सरकार ने सख्त कदम उठाने का फैसला किया है। 18 दिसंबर से राजधानी में बिना प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र किसी भी वाहन को पेट्रोल या डीजल नहीं दिया जाएगा। यानी जिन वाहनों के पास वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (च्ब्) नहीं होगा, उन्हें पेट्रोल, डीजल या सीएनजी नहीं मिलेगी. प्रदूषण अंडर कंट्रोल सर्टिफिकेट यानी पीयूसीसी सिस्टम की थर्ड पार्टी एजेंसी निगरानी करेगी। दिल्ली सरकार को उम्मीद है कि इससे जांच में किसी तरह की गड़बड़ी नहीं होगी। वाहनों की भीड़ कम करने के लिए सरकार जल्द ही एक कार-पूलिंग एप लेकर आ रही है। इस बीच सड़कों की बेहतर सफाई और ट्रैफिक जाम से निपटने के लिए स्मार्ट सिस्टम तैयार किया जा रहा है। बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पर्यावरण मंत्री मंजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि दिल्ली सरकार कार-पूलिंग को बढ़ावा देने के लिए एक आसान और यूजर फ्रेंडली ऐप विकसित कर रही है। इसका मकसद निजी वाहनों की संख्या कम करना और सड़कों पर ट्रैफिक दबाव घटाना है।

शहर के गड्ढों की निगरानी की होगी निगरानी

इसके साथ ही शहर में गड्ढों की निगरानी के लिए भी थर्ड पार्टी एजेंसी नियुक्त की जा रही है। एजेंसी सालभर सर्वे करेगी, पूरे शहर में घूमकर गड्ढों की पहचान करेगी, फोटो लेगी और डेटा संबंधित विभागों को देगी। इसके लिए दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति ने टेंडर जारी कर दिया है। ट्रैफिक जाम की समस्या से निपटने के लिए सरकार ट्रैफिक पुलिस के साथ मिलकर इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम तैयार कर रही है। मंत्री ने कहा कि अभी जाम के दौरान भी सिग्नल तय समय तक लाल रहता है, जिससे हालात और बिगड़ते हैं। नई व्यवस्था में जाम की स्थिति के मुताबिक सिग्नल का समय बदला जा सकेगा। सरकार गूगल मैप्स के साथ मिलकर ट्रैफिक और वाहन प्रदूषण के हॉटस्पॉट चिन्हित करेगी। मंत्री ने कहा कि पहले 13 हॉटस्पॉट थे, जो अब बढ़कर 62 हो गए हैं। लक्ष्य है कि 100 ऐसे हॉटस्पॉट चिन्हित कर वहां खास कदम उठाए जाएं। दिल्ली में प्रदूषण के चार मुख्य स्रोत वाहन, उद्योग, धूल और कचरा हैं। सड़कों की सफाई के लिए एमसीडी को अगले 10 साल में 2700 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। इसके तहत मैकेनिकल रोड स्वीपर, लिटर पिकर और वॉटर स्प्रिंकलर खरीदे जाएंगे। पीडब्ल्यूडी को 70 रोड स्वीपर और करीब 300 वॉटर स्प्रिंकलर तैनात करने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रदूषण कम करने की पहल

दिल्ली सरकार ट्रैफिक मैनेजमेंट को बेहतर बनाने के लिए गूगल मैप्स के साथ पार्टनरशिप की संभावनाओं पर भी विचार कर रही है। मंत्री ने गूगल मैप्स के अधिकारियों के साथ एक हाई-लेवल मीटिंग की, जिसमें ट्रैफिक सिग्नल के साथ डेटा इंटीग्रेशन और भीड़भाड़ वाले इलाकों की पहचान पर चर्चा हुई। सिरसा ने कहा कि सरकार का लक्ष्य कम से कम 100 नए ट्रैफिक हॉटस्पॉट की पहचान करना और वहां समाधान लागू करना है। अगली मीटिंग में एक डिटेल एक्शन प्लान तैयार किया जाएगा और उसकी समीक्षा की जाएगी।

1.5 करोड़ की कोकीन और 67 लाख के सोना के साथ दो गिरफ्तार

एजेंसी। नदिया

भारत बांग्लादेश सीमा पर बीएसएफ को बड़ी कामयाबी मिली है। भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तैनात बीएसएफ की 149वीं बटालियन ने बड़ी जब्ती की है। खुफिया सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए बीएसएफ जवानों ने 316 ग्राम कोकीन जब्त की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 1.5 करोड़ रुपए बताई जा रही है। दूसरी ओर, नदिया में बीएसएफ ने कार्रवाई करते हुए 67 लाख रुपए का सोना जब्त कर दो लोगों को गिफ्तार किया है। दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के जनसंपर्क अधिकारी ने बताया बीएसएफ के अनुसार, 149वीं बटालियन की लावंगोला सीमा चौकी के जवानों को सूचना मिली थी कि चार बिनपाड़ा गांव में एक संदिग्ध के घर के पास मादक पदार्थ छिपाकर रखा गया है।इस इनपुट के आधार पर बीएसएफ ने तलाशी अभियान चलाया। गांव के दो गवाहों की मौजूदगी में संदिग्ध घर और आसपास के इलाके की गहन तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान घर से लगभग दो मीटर की दूरी पर एक संदिग्ध पैकेट बरामद किया गया। पैकेट खोलने पर उसमें कोकीन पाई गई। हालांकि इस कार्रवाई के दौरान किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी। जब्त की गई कोकीन को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए संबंधित विभाग को सौंप दिया गया है।

67 लाख रुपए का सोना को साथ दो गिरफ्तार : बीएसएफ दक्षिण बंगाल सीमांत के जवानों ने पश्चिम बंगाल के नदिया जिले में भारतझ बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थित 32वीं वाहिनी की सीमाचौकी मालुआपारा क्षेत्र में गुप्त सूचना के आधार पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए दो भारतीय तस्करों को गिरफ्तार कर सोना तस्करी नेटवर्क को करारा झटका दिया।

संसद में पारित हुआ शांति बिल

- निजी कंपनियों के लिए खुला परमाणु ऊर्जा का रास्ता

एजेंसी। नई दिल्ली

संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान गुरुवार को परमाणु ऊर्जा से जुड़ा द सस्टेनेबल हार्नेसिंग एंड एडवांसमेंट ऑफ न्यूक्लियर एनर्जी फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया बिल 2025 यानी शांति विधेयक, 2025 राज्यसभा से पास हो गया। राज्यसभा ने सिविल परमाणु क्षेत्र में निजी कंपनियों की भागीदारी के लिए रास्ता खोलने वाले इस बिल को ध्वनिमत से पास कर दिया। यह अविधेयक बुधवार (17 दिसंबर, 2025) को संसद के निचले सदन लोकसभा से पास हो चुका है। इसके बाद अब यह विधेयक राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद पूर्ण रूप से कानून का रूप ले लेगा, जिसके बाद केंद्र सरकार परमाणु ऊर्जा पर सरकार का एकाधिकार खत्म करने की ओर अपना कदम बढ़ाएगा और निजी कंपनियां परमाणु क्षेत्र में भारत के रूपांतरण के लिए काम करेंगे। वहीं, संसद के उच्च सदन राज्यसभा में केंद्रीय परमाणु ऊर्जा राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने विधेयक पर चर्चा की. उन्होंने कहा कि परमाणु ऊर्जा विश्वसनीय बिजली की आपूर्ति का स्रोत है, जबकि अन्य नवीकरणीय ऊर्जा विभिन्न विकल्पों में यह निरंतरता नही है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा तंत्र से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। अब तक आम जनता के लिए किसी भी प्रकार के विकिरण-संबंधी खतरे की कोई रिपोर्ट सामने नहीं आई है.

बिजली लाइनों की सुरक्षा को लेकर विभाग सख्त, डुमरांव में चला विशेष छंटनी अभियान

- **नया भोजपुर प्रशाखा क्षेत्र में हरे पेड़ों की टहनियों की कटाई, आगजनी और शॉर्ट सर्किट की आशंका को किया गया कम**

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव के नया भोजपुर प्रशाखा क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को सुरक्षित और भरोसेमंद बनाए रखने की दिशा में विद्युत विभाग ने अहम कदम उठाया है। संभावित दुर्घटनाओं और आगजनी की घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से विद्युत लाइनों के आसपास फैली हरे पेड़ों की टहनियों की छंटनी का विशेष अभियान चलाया गया। यह अभियान उन स्थानों पर केंद्रित रहा, जहां विद्युत तारों से पेड़ों की टहनियां सटने या घर्षण की स्थिति बनी हुई थी।

इस अभियान का नेतृत्व कनीय विद्युत अभियंता जितेंद्र कुमार ने किया। उनके नेतृत्व में विद्युत विभाग की टीम ने पुराना भोजपुर चौक सहित कई संवेदनशील इलाकों में पहुंचकर लाइनों के आसपास फैली टहनियों की कटाई की। विभाग के अनुसार, बरसात के मौसम, तेज हवा और आंधी-तूफान के दौरान पेड़ों की शाखाएं अक्सर तारों से टकरा जाती हैं, जिससे शॉर्ट सर्किट, चिंगारी निकलने या आग लगने जैसी गंभीर घटनाएं हो सकती हैं। पूर्व में ऐसी घटनाओं की आशंका को देखते हुए यह एहतियाती कार्रवाई की गई।

छंटनी कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों का पूरी तरह पालन किया गया। कार्य के समय संबंधित क्षेत्रों में कुछ समय के लिए विद्युत आपूर्ति को अस्थायी रूप से बंद रखा गया, ताकि कर्मचारियों के साथ-साथ आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। कार्य पूरा होते ही विद्युत आपूर्ति को पुनः बहाल कर दिया गया, जिससे उपभोक्ताओं को अधिक परेशानी न हो। कनीय विद्युत अभियंता जितेंद्र कुमार ने बताया कि विद्युत विभाग का यह अभियान केवल एक बार की कार्रवाई नहीं है, बल्कि नियमित रखरखाव योजना का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि विभाग का लक्ष्य निर्बाध बिजली आपूर्ति के साथ-साथ उपभोक्ताओं की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इसी उद्देश्य से समय-समय पर विद्युत लाइनों का निरीक्षण कर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाते रहेंगे। उन्होंने आम उपभोक्ताओं से भी सहयोग की अपील की है। यदि कहीं भी विद्युत तारों के आसपास पेड़ों की टहनियां फैली हुई दिखाई दें या किसी प्रकार का खतरा महसूस हो, तो इसकी सूचना तुरंत विद्युत विभाग को दें। विभाग ऐसी सूचनाओं पर त्वरित कार्रवाई करेगा। इस अभियान से क्षेत्र में विद्युत सुरक्षा को लेकर लोगों में विश्वास बढ़ा है और भविष्य में होने वाली अप्रिय घटनाओं की आशंका भी काफी हद तक कम हुई है।

अतिक्रमण ने रोकी नाली, सड़क बनी नाला, प्रशासनिक चुप्पी से गिरधरबराव पंचायत में बढ़ा जनआक्रोश

केटी न्यूज/नावानगर

नवानगर अंचल की गिरधरबराव पंचायत इन दिनों अतिक्रमण और प्रशासनिक उदासीनता का शिकार बन गई है। हालात ऐसे हैं कि जहां नालियों का निर्माण जल निकासी के लिए किया गया था, वहीं आज वही नालियां बंद पड़ी हैं और सड़कें गंदे पानी से लबालब हैं। मौजा बराव की मुख्य सड़क इस बदहाली की सबसे बड़ी मिसाल बन चुकी है, जहां एक दर्जन से अधिक घरों का नाली का पानी सीधे सड़क पर बह रहा है।

नाली पर कब्जा, सड़क पर बहता गंदा पानी

ग्रामीणों के अनुसार मुख्य सड़क के दोनों किनारों पर नाली बनाई गई थी। एक तरफ की नाली अब भी काम कर रही है, लेकिन दूसरी तरफ की नाली पर अतिक्रमणकारियों ने कब्जा जमा लिया है। नाली के ऊपर मिट्टी भर दी गई है, जिससे वह पूरी तरह बंद हो चुकी है। नतीजा यह कि घरों से निकलने वाला गंदा पानी सड़क को ही अपना रास्ता बना रहा है। लगातार बहते पानी से सड़क पर फिसलन बनी रहती है और दुर्घटनाएं आम हो गई हैं।

बैंक और स्कूल तक जाना बना जोखिम

इस मार्ग पर ग्रामीण बैंक की शाखा और एक सरकारी विद्यालय भी स्थित है। बैंक जाने वाले खाताधारक, स्कूली बच्चे और बुजुर्ग हर दिन जान जोखिम में डालकर इसी रास्ते से गुजरते हैं। बरसात के दिनों में स्थिति और भी भयावह हो जाती है, जब सड़क पर पानी और कीचड़ भर जाता है। बदबू, मच्छरों और गंदगी ने स्वास्थ्य संकट भी खड़ा कर दिया है।

आवेदन दिया, कार्रवाई शून्य

इस गंभीर समस्या को लेकर पंचायत की मुखिया संगीता देवी सहित सैकड़ों ग्रामीणों ने अंचलाधिकारी को लिखित आवेदन सौंपा है। ग्रामीणों को उम्मीद थी कि अतिक्रमण हटेगा और जल निकासी बहाल होगी, लेकिन अब तक प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। इससे लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

प्रशासनिक उदासीनता पर सवाल

ग्रामीणों का कहना है कि सरकार भले ही अतिक्रमण के खिलाफ सख्ती के दावे करे, लेकिन गिरधरबराव पंचायत की हालत उन दावों की पोल खोल रही है। पीड़ितों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द अतिक्रमण हटाकर नालियों को चालू नहीं कराया गया, तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे। यह मामला अब सिर्फ जल निकासी का नहीं, बल्कि प्रशासन की जवाबदेही का बन

पवनी खेल मैदान पर तीन दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का हुआ आगाज

- **चौसा ने पवनी को 1-0 से हरा किया फाइनल में प्रवेश**

केटी न्यूज/बक्सर

प्रखंड के पवनी खेल मैदान में मेरा युवा भारत के तत्वावधान में क्लस्टर स्तरीय तीन दिवसीय फुटबॉल टूनामेंट का शुभारंभ गुरुवार को किया गया। जिसमे टूनामेंट के पहले दिन सेमीफाइनल मुकाबला पवनी और चौसा के बीच खेला गया। जिसमे चौसा ने पवनी को 1-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। जबकि, शुक्रवार को दूसरा सेमीफाइनल बक्सर व अतिमी के बीच खेला जाएगा।

मैच का उद्घाटन मुख्य अतिथि पवनी पंचायत के मुखिया पूनम ओझा, पूर्व जिप सदस्य बंसती देवी बीडीसी राजेश यादव व सरपंच अवधेश सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उन्हें खेल भावना के साथ बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।

मैच के पहले हाफ में दोनों टीमों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया, जिसमें चौसा की टीम ने एक गोल कर बढ़त बना ली। हाफ टाइम के बाद भी पवनी की टीम बराबरी के लिए संघर्ष करती रही, लेकिन चौसा की मजबूत रक्षा पंक्ति के आगे सफल नहीं हो सकी। अंत मे चौसा की टीम ने जीत दर्ज कर फाइनल में अपनी जगह सुरक्षित कर ली।

मैच में रेफरी की भूमिका मनीष दुबे ने तथा दीपक कुमार और विजय कुमार सिंह लाइनमैन रहे।

आयोजनकर्ता में संजय गोंड, उपेंद्र पासवान, रामजीत गोंड, विकास सिंह, श्रीकांत शर्मा, रवि प्रकाश गुप्ता, अभिषेक यादव, विजय रजक, विजय कुमार, नीरज ठाकुर, अमित ठाकुर सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

90 अतिक्रमणकारियों को चिन्हित कर भेजा गया नोटिस, एक सप्ताह का मिला समय

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर के नाली, गली और सड़क की स्थिति एकदम खराब है। स्टेशन रोड में तो पैदल चलना भी मुश्किल है। पिछले दिनों नगर परिषद बोर्ड की बैठक में स्टेशन रोड की बदहाली को लेकर वार्ड पार्षदों ने आवाज उठाया था। जिसको लेकर नप कार्यपालक पदाधिकारी राहुलधर दूबे के निर्देश पर स्वच्छता पदाधिकारी ने नया थाना से रेलवे पश्चिमी गुमटी तक दोनों तरफ नाला का निर्माण के प्रस्ताव का सर्वे किया। सेर्वे के दोरान प्रस्तावित योजना पर नब्बे लोगो के द्वारा अवैध रूप से अतिक्रमण पाया गया। सव्च्छता पदाधिकारी ने कहा कि उनलोगों पर नोटिस भेज दिया गया है, अतिक्रमण हटाने का एक सप्ताह का समय दिया गया है। नहीं हटाने पर अतिक्रमणकारियों के खिलाफ दंडनात्मक कार्रवाई करते हुए, एफआईआर भी किया जाएगा।

मालूम हो कि नया थाना थाना से पश्चिमी गुमटी तक नाला नहीं रहने के कारण रोड कटिंग में पानी जमा होता है। कटिंग भर जाने के उपरांत वही जमा पानी रोड पर फैलने लगता है, जिससे आने-जाने वाले लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। नप के द्वारा नोटिस भेजे जाने के कारण अवैध कब्जाधारियों में हड़कंप मच गया है। गुरूवार को फुटपाथ पर बिक्री करने के लिये रखे गए समानों को लोग हटाने में लगे रहे। इतना ही नहीं जो दरवाजा अतिक्रमण में आता है, उसे भी तोड़ा जा रहा था। नगर परिषद के सामने ही फुटपाथ ही नहीं रोड तक रखे टाइल्स को हटाने में दुकानदार लगे रहे। ईओ ने बताया की नगर परिषद के दोनों तरफ नाली का निर्माण करने के लिये एनएच-120 से स्वीकृति प्रदान करने के लिये लिखा गया है। मालूम हो कि नगर का स्टेशन रोड जो शहर के बीचोबीच से गुजरता है, एनएच का रोड है, इसलिये इस जर्जर सड़क को बनाने परहेज करता है। लगभग एक दशक से इस रोड को नहीं बनाया गया है। इस संबंध में विधायक राहुल सिंह ने पूछने पर कहा की पहले 01 करोड़ 31 लाख रुपए रोड मरम्मतिकरण के पास हुआ है, उस कार्य को पूरा कराकर, फिर कालीकरण करने पर काम किया जाएगा।

कार से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद, तस्कर फरार, तलाश में जुटी पुलिस

- **गगुरूवार की सुबह चौसा पशु मेला के पास से पुलिस को मिली सफलता, बरामद कार के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर तस्कर की पड़ताल में जुटी पुलिस**

केटी न्यूज/चौसा

मुफस्सिल पुलिस गुप्त सूचना पर पीछा कर क्षेत्र के चौसा पशु मेला के पास से गुरुवार की सुबह एक लग्जरी कार से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद की। हालांकि, पुलिस के पहुंचने से पहले तस्कर कोहरे की धुंध में गायब हो गए। वही, पुलिस ने कार का शीशा तोड़कर अंदर झांका तो उसमें शराब की बड़ी खेप देखी गई। वाहन को मुफस्सिल थाना लाया गया, जहां कार से शराब की बोतलों को बाहर निकालकर विधिवत गिनती की गई।

थाना अध्यक्ष शम्भू भगत ने बताया कि कार से कुल 750 एमएल की 895 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद की गई है, जिसकी कुल मात्रा 671.25 लीटर आंकी गई है। यह शराब बिहार में पूर्ण शराबबंदी कानून के तहत अवैध है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि बरामद लग्जरी कार पर लगी नंबर प्लेट संदिग्ध है। प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि नंबर प्लेट बदली गई है, जिससे यह आशंका जताई जा रही है कि वाहन चोरी का हो सकता है। पुलिस वाहन के असली मालिक और शराब तस्करों की पहचान करने में जुट गई है।

थानाध्यक्ष ने बताया कि मामले में उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। साथ ही, आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि कार में कौन था। पुलिस का कहना है कि जल्द ही इस शराब तस्करी से जुड़े लोगों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

-- कार के रजिस्टेज्शन नंबर की हो रही है जांच

थानाध्यक्ष ने बताया कि बरामद कार के रजिस्टेज्शन नंबर की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि इसके अलावे पुलिस वैज्ञानिक अनुसंधान भी कर रही है। शीघ्र ही इस मामले में तस्करों को चिन्हित कर गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

Mob: 9122226720
कुमार आर्थोपेडिक्स क्लिनिक
सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, छेलवानी मोड़, डुमराँव
डा. बिरेन्द्र कुमार
आर्थोपेडिक सर्जन
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डा. एस.के. अम्बष्ठ
M.B.B.S (MKCC, ODISHA)
MD (Derma & Cosmetology),
KMC Manipal (Gold Medalist)
चर्म रोग, कुष्ट रोग, गुप्त रोग, सौंदर्य विशेषज्ञ
प्रत्येक मंगलवार
डा. अरूण कुमार
जेनरल एण्ड लेप्रोस्कोपिक सर्जन
(M.B.B.S, D.NB. (New Delhi)
पेट रोग विशेषज्ञ
प्रत्येक गुरुवार

विभूति एक्सप्रेस को मिला आधुनिक तोहफा एलएचबी रैक से बदलेगा सफर का अनुभव

- **डुमरांव से गुजरने वाली आखिरी आईसीएफ रैक वाली ट्रेन में हुआ बड़ा बदलाव, 27-28 से नई कोच व्यवस्था लागू**

केटी न्यूज/डुमरांव

हावड़ा से प्रयागराज के बीच चलने वाली विभूति एक्सप्रेस के यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। वर्षों से सुरक्षित और आरामदायक रैक की मांग कर रहे यात्रियों का इंतजार अब खत्म हो गया है। रेलवे ने विभूति एक्सप्रेस को अत्याधुनिक एलएचबी (लिंक हॉफमैन बुश) कोच से लैस करने का निर्णय लिया है। गुरुवार सुबह 11 बजे इसकी अधिकारिक सूचना जारी की गई, जिसके अनुसार 27 तारीख से यह ट्रेन हावड़ा से एलएचबी रैक के साथ रवाना होगी, जबकि 28 तारीख से प्रयागराज से भी एलएचबी कोच के साथ इसका संचालन शुरू हो जाएगा।

अब तक विभूति एक्सप्रेस पुराने आईसीएफ रैक के साथ चलाई जा रही थी। डुमरांव स्टेशन पर ठहराव वाली यह आखिरी नियमित ट्रेन थी, जिसमें पुराने कोच लगे थे। ऐसे में इस फैसले को डुमरांव और आसपास के यात्रियों के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। लंबे समय से स्थानीय लोगों और रेल यात्रियों द्वारा इस रूट पर एलएचबी रैक लगाने की मांग की जा रही थी, जो अब पूरी हो गई है।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार एलएचबी कोच तकनीकी रूप से अधिक उन्नत, हल्के और मजबूत होते हैं। इन कोचों में बेहतर ब्रेकिंग सिस्टम, एंटी-क्लाइम्बिंग फीचर और आधुनिक सुरक्षा मानक होते हैं, जिससे दुर्घटना की स्थिति में नुकसान की संभावना काफी कम हो जाती है। इसके साथ ही इन कोचों में सफाई व्यवस्था, सीटों की गुणवत्ता और यात्रा आराम के स्तर में भी उल्लेखनीय सुधार देखने को मिलता है।

डुमरांव के यात्रियों और सामाजिक संगठनों ने रेलवे के इस फैसले का स्वागत किया है। लोगों का कहना है कि एलएचबी रैक से न केवल यात्रा ज्यादा सुरक्षित और आरामदायक होगी, बल्कि समय पालन और ट्रेन की समग्र गुणवत्ता में भी सुधार आएगा। यात्रियों ने इसे डुमरांव के लिए एक सकारात्मक और ऐतिहासिक कदम बताया है।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
- विशाल और सुसज्जित हॉल
- आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
- बड़ा पार्किंग एरिया
- 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
- साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
- बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
- हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर
सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

पूण्यतिथि विशेष : अनपढ़ होकर भी बनीं शिक्षा की अलख जगाने वाली ममतामयी मां

रजनीकांत दूबे/डुमरांव

शाहाबाद की धरती ने कई ऐतिहासिक व्यक्तित्व दिए हैं, लेकिन दान, करुणा और शिक्षा के क्षेत्र में धरिक्षणा कुंअरि का नाम आज भी एक जीवंत प्रेरणा की तरह चमकता है। 19 दिसंबर की पुण्यतिथि की पूर्व संध्या पर ममतामयी मां धरिक्षणा कुंअरि को याद करना इसलिए जरूरी हो जाता है, क्योंकि उन्होंने खुद अनपढ़ होने के बावजूद पूरे क्षेत्र में शिक्षा की मशाल जलाई और समाज को दिशा दी।

दानवीरता, जिसने इतिहास रच दिया

धरिक्षणा कुंअरि को यूं ही ममतामयी मां नहीं कहा जाता। उनकी दानशीलता की मिसालें पुराने शाहाबाद जिले, आज के बक्सर, भोजपुर, रोहतास और कैमूर से लेकर पटना और वाराणसी तक फैली हुई हैं। देशभक्ति उनके व्यक्तित्व का अभिन्न हिस्सा थी। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान जब महात्मा गांधी बक्सर आए, तो उन्होंने अपने हाथों से सोने के कंगन और आभूषण उतारकर आजादी की लड़ाई के लिए दान कर दिए। इतिहास गवाह है कि 1932 में गांधीजी उनके डुमरी स्थित आवास पर भी पहुंचे थे। उस समय एक विधवा महिला का इस तरह राष्ट्र के लिए अपना सर्वस्व अर्पित करना, समाज के लिए एक बड़ा संदेश था।

शिक्षा के लिए जीवन समर्पण

धरिक्षणा कुंअरि का सबसे बड़ा सपना था, समाज को शिक्षित देखना। वर्ष 1936 में उन्होंने बक्सर अनुमंडल मुख्यालय में एक मध्य विद्यालय की स्थापना कर शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक कदम उठाया। इसके बाद 1956 में धरिक्षणा कुंवरि महाविद्यालय (डी.के. कॉलेज) की स्थापना कर उन्होंने उच्च शिक्षा का रास्ता भी खोला। इतना ही नहीं, अपनी ससुराल डुमरी गांव में डी.के. मेमोरियल कॉलेज, बक्सर में पति श्रीकृष्ण प्रसाद की स्मृति में विद्यालय, यात्रियों के लिए धर्मशाला, और भोजपुर के कोईलवर में टीबी सेनेटोरियम की स्थापना कर उन्होंने सेवा के नए आयाम गढ़े। आज वही सेनेटोरियम मानसिक आरोग्यशाला के रूप में समाज की सेवा कर रहा है।

बिहार से काशी तक सेवा की छाप

पटना की सब्जी मंडी के पास धर्मशाला हो या काशी हिंदू विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण कोष, धरिक्षणा कुंअरि के दान आज भी सैकड़ों लोगों के जीवन को दिशा दे रहे हैं। इन संस्थानों से आज भी हर वर्ष समाज लाभान्वित हो रहा है।

दुखों से टूटी नहीं, और मजबूत बनीं

इटाढ़ी प्रखंड के लोहंदी गांव में जन्मी धरिक्षणा कुंअरि का जीवन संघर्षों से भरा रहा। विवाह के कुछ वर्षों बाद पति और फिर इकलौते पुत्र का निधन हो गया। बावजूद इसके, उन्होंने दुख को कभी अपने उद्देश्य के आड़े नहीं आने दिया। पुत्र के निधन के बाद भी उन्होंने कोईलवर में टीबी सेनेटोरियम की स्थापना कर समाज को नया जीवन दिया।

भूलती जा रही है नई पीढ़ी

वरिष्ठ नागरिकों और अधिवक्ताओं का कहना है कि धरिक्षणा कुंअरि ने इतिहास के पन्नों में अमिट स्थान बनाया है। उनके वंशज पवन कुमार साह का कहना है कि दुर्भाग्यवश सरकार और समाज उनकी स्मृतियों को संजो नहीं सका। परिणामस्वरूप, नई पीढ़ी इस महान व्यक्तित्व को धीरे-धीरे भूलती जा रही है। धरिक्षणा कुंअरि सिर्फ एक नाम नहीं, बल्कि त्याग, शिक्षा और सेवा की वह मशाल हैं, जिसकी रोशनी आज भी समाज को रास्ता दिखा रही है।

एक नजर

समाजसेवी को मातृशोक, लोगों ने जताया शोक

चौगाई। प्रखंड के वीरपुर गांव निवासी व कुशल समाजसेवी वंशी सिंह की माता मुल्कराजो देवी का निधन हो गया है। उनके निधन की खबर मिलते ही सामाजिक व राजनैतिक गलियारों में शोक की लहर दौड़ गई है। समाजसेवी के माता की निधन मिलते ही उनके दरवाजे पर शोक संवेदना व्यक्त करने वालों का तांता लग गया है। लोगों ने उन्हें ढांढस बंधाते हुए दुख की इस घड़ी में साथ खड़े होने का आश्वासन दिया है। शोक जताने वालों में डुमरांव राजपरिवार के शिवांग विजय सिंह, चौगाईं के जिला पार्षद अरविंद प्रताप शाही उर्फ बंटी शाही, राजकुमार, पवन सिंह, राजीव रंजन सिंह समेत सैकड़ो लोग शामिल रहे।

पंचायत चुनाव की आहट से गांवों में सियासी हलचल, आरक्षण के फेरबदल ने बदली चुनावी चाल

कार्यकाल समाप्ति से पहले ही तेज हुई सियासत, संभावित प्रत्याशी मैदान में, आरक्षण बना सबसे बड़ा फैक्टर

बक्सर। पंचायती राज व्यवस्था के तहत चुनी गई पंचायतों का कार्यकाल अगले वर्ष दिसंबर माह में समाप्त होने जा रहा है। ऐसे में जिले समेत पूरे प्रदेश में पंचायत चुनाव की सुगबुगाहट अभी से सुनाई देने लगी है। भले ही चुनाव में अभी वक्त हो, लेकिन आरक्षण में संभावित बदलाव की चर्चा ने गांव-गांव में सियासी माहौल को गर्मा दिया है। वर्तमान जनप्रतिनिधियों से लेकर नए दावेदारों तक की धड़कनें तेज हो गई हैं।

दरअसल, सरकार के निदेर्शानुसार पंचायत चुनाव में हर 10 वर्ष पर रोस्टर के तहत आरक्षण बदला जाना है। इसके अलावा पंचायत चुनाव में पहले से ही 50 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। ऐसे में आगामी चुनाव से पहले आरक्षण की स्थिति में बड़े फेरबदल की आशंका जताई जा रही है। सूत्रों की मानें तो राज्य सरकार नियमानुसार पंचायत चुनाव से पूर्व आरक्षण प्रक्रिया पूरी करेगी, जिसके बाद कई पंचायतों में सीटों का गणित पूरी तरह बदल सकता है।

इस संभावित बदलाव ने मौजूदा मुखिया, सरपंच, पंचायत समिति सदस्य और जिला परिषद सदस्यों की चिंता बढ़ा दी है। कई जनप्रतिनिधि दोबारा चुनाव लड़ने की तैयारी में जुटे हैं, लेकिन सीट महिला या किसी अन्य वर्ग के लिए आरक्षित हो जाने की स्थिति में उनकी राजनीतिक राह मुश्किल हो सकती है। इसी असमंजस के बीच कुछ नेता दूसरे पदों पर दावेदारी की रणनीति भी बनाने लगे हैं।

वहीं दूसरी ओर, भावी प्रत्याशियों के लिए आरक्षण में बदलाव उम्मीद की नई किरण बनकर सामने आया है। कई ऐसे लोग, जो अब तक चुनाव से दूर थे, वे इसे अपने लिए अवसर मानते हुए सक्रिय हो गए हैं। गांवों में जनसंपर्क अभियान तेज हो गया है। सामाजिक कार्यक्रमों, धार्मिक आयोजनों और स्थानीय बैठकों में संभावित उम्मीदवारों की मौजूदगी बढ़ गई है। लोग अब खुलकर विकास, योजनाओं और गांव की समस्याओं पर बात करने लगे हैं।

ग्रामीण इलाकों में चौक-चौराहों, चाय दुकानों और बैठकों में पंचायत चुनाव सबसे बड़ा मुद्दा बनता जा रहा है। कौन कहां से लड़ेगा, किस सीट पर आरक्षण होगा और किसे फायदा मिलेगाकृइन सवालों पर चचाओं का दौर जारी है। समर्थकों की बैठकों और रणनीति बनाने का सिलसिला भी शुरू हो चुका है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि जैसे ही आरक्षण की अंतिम तस्वीर साफ होगी, चुनावी गतिविधियां और तेज होंगी। फिलहाल पंचायत चुनाव की आहट ने गांव की राजनीति में नई जान फूंक दी है। आने वाले महीनों में यह सियासी हलचल और रंग दिखाने वाली है, जिसमें पुराने चेहरे अपनी जमीन बचाने की कोशिश करेंगे, तो नए चेहरे बदलाव की बयार बनकर सामने आएंगे।

ई-रिक्शा, ऑटो और ठेले की अराजकता से यात्री बेहाल, कई बार छूट रही ट्रेनें

डुमरांव स्टेशन के मुख्य निकास पर जाम का रेड अलर्ट

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव रेलवे स्टेशन के मुख्य निकास द्वार के पास जाम की समस्या अब गंभीर रूप ले चुकी है। हालात इतने बदतर हैं कि दिन के अधिकांश समय यहां पैदल चलना तक मुश्किल हो जाता है। स्टेशन से बाहर निकलते ही ई-रिक्शा, ऑटो रिक्शा और ठेले की बेतरतीब कतारें यात्रियों के रास्ते में दीवार बनकर खड़ी रहती हैं। जैसे ही कोई ट्रेन प्लेटफॉर्म पर आती है, स्टेशन परिसर और निकास द्वार के बाहर अफरातफरी मच जाती है। बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चों के साथ यात्रा करने वाले यात्री सबसे ज्यादा परेशान नजर आते हैं। जाम की यह समस्या कोई नई नहीं है, बल्कि लंबे समय से चली आ रही है। हैरानी की बात यह है कि रेलवे पुलिस और स्थानीय पुलिस दोनों ही इस समस्या को एक-दूसरे के अधिकार क्षेत्र का मामला बताकर जिम्मेदारी से बचते दिख रहे हैं। नतीजा यह है कि स्टेशन के मुख्य निकास पर अराजकता बदस्तूर जारी है और यात्रियों को रोजाना इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों और जानकारों का कहना है कि स्टेशन के मुख्य निकास द्वार के पास पूरे दिन ई-रिक्शा, ऑटो रिक्शा के साथ-साथ फल, भूजा और अन्य सामान बेचने वाले ठेला संचालकों का कब्जा रहता है। निर्धारित स्टैंड या पार्किंग व्यवस्था न होने के कारण वाहन चालक मनमाने ढंग से गाड़ियां खड़ी कर देते हैं। इससे सड़क की चौड़ाई और सिमट जाती है और थोड़ी सी भी भीड़ होने पर पूरा इलाका जाम में तब्दील हो जाता है। इस जाम का सीधा असर रेल यात्रियों पर पड़ रहा है। कई बार यात्री समय पर स्टेशन नहीं पहुंच पाते और उनकी ट्रेन छूट जाती है। सबसे चिंताजनक स्थिति तब बनती है, जब यात्री बेतरतीब खड़े वाहनों को हटाने की बात करते हैं। आरोप है कि कई वाहन चालक उलझने लगते हैं और बहस के बाद मारपीट की नौबत तक आ जाती है। ऐसे में यात्री किसी तरह चुप रहकर निकल जाना ही बेहतर समझते हैं। उधर, डुमरांव स्टेशन का चयन अमृत भारत योजना के तहत सौंदर्यीकरण के लिए किया गया है, लेकिन यह योजना फिलहाल यात्रियों की परेशानी कम करने के बजाय बढ़ाती नजर आ रही है। योजना के तहत नए निर्माण कार्य के लिए पंचमंदिर से स्टेशन की ओर जाने वाले मार्ग पर एक बड़ा गड्ढा खोदकर छोड़ दिया गया है। इसके अलावा रेलवे द्वारा सड़क के एक किनारे नाले का निर्माण कराया गया है, जिससे पहले से ही संकरी सड़क और अधिक सिकुड़ गई है। ऐसे में जब दर्जनों ई-रिक्शा और ऑटो खड़े हो जाते हैं, तो जाम लगना तय हो जाता है। यह मार्ग केवल रेल यात्रियों के लिए ही नहीं, बल्कि डुमरांव से नया भोजपुर, चक्की, डुमरी और ब्रह्मपुर की ओर जाने वाले वाहन चालकों के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण है। दिनभर इस रास्ते से सैकड़ों वाहन गुजरते हैं, लेकिन स्टेशन के पास लगने वाले जाम के कारण सभी को भारी परेशानी झेलनी पड़ती है। सुबह और शाम के पिक आवर में स्थिति और भी भयावह हो जाती है, जब कुछ मिनटों की दूरी तय करने में आधे घंटे तक लग जाते हैं।

स्थानीय नागरिकों की मांग है कि स्टेशन के मुख्य निकास द्वार के पास सख्ती से अतिक्रमण हटाया जाए, ई-रिक्शा और ऑटो के लिए अलग स्टैंड चिन्हित किया जाए और नियमित रूप से ट्रैफिक पुलिस की तैनाती हो। जब तक प्रशासन और रेलवे मिलकर ठोस कदम नहीं उठाते, तब तक डुमरांव स्टेशन का यह जाम यात्रियों के लिए सिरदर्द बना रहेगा और अमृत भारत योजना का उद्देश्य अधूरा ही नजर आएगा।

शिव शक्ति वैदिक सेवा संस्थान द्वारा ठकुरवारी में कंबल वितरण

- ठंड से राहत के लिए जरूरतमंदों के बीच सेवा का संकल्प

केटी न्यूज/सिमरी

शिव शक्ति वैदिक सेवा संस्थान की ओर से गुरूवार को सिमरी दुधी पट्टी स्थित ठाकुरबाड़ी परिसर में कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कड़ाके की ठंड को देखते हुए आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य असहाय, गरीब एवं जरूरतमंद लोगों को ठंड से राहत प्रदान करना था। कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष डॉ. इन्द्र बली मिश्र की उपस्थिति रही। उनके साथ केशव मिश्र, ब्रिजकुमारी देवी, विद्यापति मिश्र, बबन मिश्र, ललन मिश्र तथा संस्था को मूर्त रूप देने वाले सुनील राय सहित कई अन्य सेवकगण उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने स्वयं जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण कर सेवा भाव का परिचय दिया। इस अवसर पर डॉ. इन्द्र बली मिश्र ने कहा कि शिव शक्ति वैदिक सेवा संस्थान समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सहायता पहुंचाने के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। ठंड के मौसम में कंबल जैसे आवश्यक संसाधन जरूरतमंदों के लिए जीवन रक्षक साबित होते हैं। उन्होंने कहा कि मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर सेवा है और संस्थान आगे भी ऐसे सामाजिक कार्य करता रहेगा। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों एवं लाभार्थियों ने संस्था के इस प्रयास की सराहना की और आभार प्रकट किया। कंबल पाकर जरूरतमंदों के चेहरे पर खुशी साफ झलक रही थी। कार्यक्रम का समापन सेवा, सहयोग एवं सामाजिक एकजुटता के संदेश के साथ हुआ। उपस्थित सभी सेवकों ने भविष्य में भी इस प्रकार के जनकल्याणकारी कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

सील कोल्ड स्टोरेज में स्क्रैप का खेल, बंद फैक्ट्री में बिजली चोरी, अवैध नर्सिंग संस्थान का भंडाफोड़

- एसडीओ की औचक छापेमारी से औद्योगिक क्षेत्र में मचा हड़कंप, कई पर गिरे कानून के शिकंजे

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर के औद्योगिक क्षेत्र में गुरुवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) अविनाश कुमार ने गुप्त सूचना के आधार पर एक के बाद एक औचक छापेमारी कर अवैध गतिविधियों की परतें खोल दीं। एनएच-922 से लेकर औद्योगिक थाना क्षेत्र तक की गई इस कार्रवाई में सील किए गए कोल्ड स्टोरेज के भीतर चल रहा अवैध स्क्रैप कारोबार, वर्षों से बंद पड़ी इकाई में बिजली चोरी कर संचालित लकड़ी का व्यवसाय और एक संदिग्ध नर्सिंग इंस्टीट्यूट का गैरकानूनी संचालन सामने आया है।

सील के भीतर कारोबार, नियमों की खुली धज्जियां

एनएच-922 पर स्थित आशा कोल्ड स्टोरेज प्रशासन द्वारा पूर्व में सील किया गया है और कागजों में पूरी तरह बंद है। इसके बावजूद निरीक्षण के दौरान पाया गया कि परिसर के अंदर टीन स्क्रैप का अवैध धंधा धड़ल्ले से चल रहा था। मौके पर काम में जुटे कर्मियों से पूछताछ की गई, जिसमें संतोषजनक जवाब नहीं मिल सका। यह मामला सील तोड़कर या नियमों को ताक पर रखकर कारोबार चलाने की गंभीर साजिश की ओर इशारा करता है।

बंद फैक्ट्री, चालू कारोबार, वह भी बिजली चोरी से

इसी मार्ग पर एक अन्य औद्योगिक इकाई, जो मनोज कुमार के नाम से दर्ज है और लंबे समय से बंद बताई जा रही थी, वहां बैद्यनाथ टिंबर के नाम से लकड़ी का व्यवसाय संचालित होने का खुलासा हुआ। छापेमारी में प्रथम दृष्टया यह स्पष्ट हुआ कि इकाई में अवैध रूप से बिजली चोरी कर व्यावसायिक गतिविधियां चलाई जा रही थीं। यह न केवल राजस्व को नुकसान पहुंचाने का मामला है, बल्कि औद्योगिक नियमों की खुली अवहेलना भी है।

नर्सिंग इंस्टीट्यूट पर भी सवाल, दस्तावेज खंगाले जा रहे

औद्योगिक थाना क्षेत्र में स्थित आकाश नर्सिंग इंस्टीट्यूट की भी जांच की गई। छापेमारी के दौरान मिले साक्ष्यों के आधार पर प्रथम दृष्टया यह संस्थान अवैध और गैरकानूनी तरीके से संचालित प्रतीत हो रहा है। संस्थान से जुड़े कागजात, मान्यता और संचालन से संबंधित दस्तावेजों की गहन जांच की जा रही है।

वीडियो-फोटो साक्ष्य सुरक्षित, कार्रवाई तय

प्रशासन ने छापेमारी का वीडियो फुटेज और स्टिल फोटो साक्ष्य के रूप में सुरक्षित कर लिए हैं। अधिकारियों के अनुसार, जांच पूरी होने के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। एसडीओ की इस कार्रवाई ने साफ संकेत दे दिया है कि औद्योगिक क्षेत्र में अवैध कारोबार, बिजली चोरी और फर्जी संस्थानों पर अब प्रशासन की पैनी नजर है और कानून से खेलने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

ब्रह्मपुर चौरसता में विकास की रफ्तार तेज, सड़क चौड़ीकरण से यातायात व्यवस्था को नई दिशा

- अतिक्रमण हटने के बाद स्थायी समाधान की पहल, बाजार क्षेत्र में जाम से मिलेगी राहत

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

ब्रह्मपुर नगर पंचायत क्षेत्र के चौरस्ता पर वर्षों से चली आ रही यातायात और अतिक्रमण की समस्या को लेकर प्रशासन ने अब विकासोन्मुखी कदम उठाया है। हाल ही में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के बाद खाली कराई गई भूमि को दोबारा कब्जे से बचाने के उद्देश्य से सड़क चौड़ीकरण का कार्य तेजी से शुरू कर दिया गया है। इस पहल को स्थानीय लोग केवल अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई नहीं, बल्कि क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में अहम कदम मान रहे हैं।

चौरस्ता ब्रह्मपुर का एक प्रमुख व्यावसायिक और आवागमन केंद्र है, जहां बाजार, ठेला-खोमचा और वाहनों की अधिक आवाजाही के कारण अक्सर जाम की स्थिति बनी रहती थी। संकरी सड़क और अतिक्रमण के चलते पैदल यात्रियों को भी काफी परेशानी उठानी पड़ती थी। ऐसे में नगर प्रशासन द्वारा सड़क चौड़ीकरण का निर्णय आम जनता के लिए बड़ी राहत लेकर आया है।

नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी एसपी वर्मा ने बताया कि अतिक्रमण हटाने के बाद यदि स्थल को यथावत छोड़ दिया जाता, तो कुछ ही समय में फिर से कब्जा हो जाने की आशंका थी। इसी को ध्यान में रखते हुए तुरंत सड़क चौड़ीकरण का कार्य शुरू कराया गया है, ताकि सार्वजनिक भूमि का स्थायी उपयोग सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि यह कदम केवल यातायात सुधार तक सीमित नहीं है, बल्कि भविष्य में नगर के सुव्यवस्थित विकास की नींव भी रखेगा।

गुरुवार की दोपहर करीब 1 बजे तक सड़क चौड़ीकरण का कार्य तेजी से जारी रहा, जिसे देखने के लिए आसपास के लोग भी जुटते रहे। स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि सड़क चौड़ी होने से ग्राहकों की आवाजाही आसान होगी और व्यवसाय पर भी सकारात्मक असर पड़ेगा। वहीं राहगीरों और वाहन चालकों ने उम्मीद जताई कि अब चौरसता पर घंटों लगने वाले जाम से मुक्ति मिलेगी।

नगरवासियों का मानना है कि यदि इसी तरह प्रशासन लगातार निगरानी रखे और सार्वजनिक स्थलों को अतिक्रमण मुक्त बनाए रखे, तो ब्रह्मपुर की तस्वीर और तकदीर दोनों बदली जा सकती हैं। सड़क चौड़ीकरण को लेकर लोगों में उत्साह है और इसे जनहित में लिया गया एक दूरदर्शी और सराहनीय कदम बताया जा रहा है।

सिमरी प्रखंड में आवास प्लस 2024 सत्यापन बैठक

- चेकरों को दिए गए निर्देश, सत्यापन कार्य में तेजी

केटी न्यूज/डुमरांव

जिले के सिमरी प्रखंड कार्यालय परिसर में गुरुवार को आवास प्लस 2024 योजना के अंतर्गत लाभुकों के सत्यापन को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रशांत कुमार ने की। इस बैठक में आवास प्लस सर्वे से जुड़े सभी चेकर, संबंधित कर्मी एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी ने आवास प्लस 2024 के सत्यापन कार्य की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने सभी चेकरों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि सत्यापन कार्य पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं सरकार द्वारा निर्धारित दिशा-निदेर्शों के अनुरूप किया जाए। किसी भी प्रकार की लापरवाही, त्रुटि या अपूर्ण जानकारी पाए जाने पर संबंधित कर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई की जा सकती है।

श्री कुमार ने कहा कि वास्तविक और पात्र लाभुकों को ही योजना का लाभ मिलना चाहिए, इसके लिए प्रत्येक आवेदन का भौतिक सत्यापन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने चेकरों को घर-घर जाकर सर्वे करने, लाभुकों के आवास की स्थिति, सामाजिक-आर्थिक स्थिति तथा आवश्यक दस्तावेजों की सावधानीपूर्वक जांच करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही उन्होंने समय-सीमा के भीतर सत्यापन कार्य पूर्ण करने पर विशेष बल दिया, ताकि योग्य लाभुकों को शीघ्र ही आवास योजना का लाभ प्रदान किया जा सके। बैठक में मौजूद कर्मियों ने सत्यापन से जुड़ी समस्याओं और व्यावहारिक कठिनाइयों से भी पदाधिकारी को अवगत कराया, जिस पर आवश्यक समाधान के निर्देश दिए गए। बैठक के समापन पर प्रखंड विकास पदाधिकारी ने सभी कर्मियों से ईमानदारी एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की अपील की।

उप विकास आयुक्त ने विकास भवन अंतर्गत विभिन्न कार्यालयों का किया औचक निरीक्षण

केटी न्यूज/नवादा

उप विकास आयुक्त नीलिमा साहु के द्वारा गुरुवार को विकास भवन में स्थित विभिन्न कार्यालयों का किया औचक निरीक्षण। निरीक्षण के क्रम में जिला विकास शाखा, जिला जल एवं स्वच्छता समिति शाखा, डीआरडीए शाखा, आईसीडीएस कार्यालय, जिला कल्याण कार्यालय सहित अन्य संबंधित शाखाओं का जायजा लिया गया। जिसके तहत शाखाओं के पदाधिकारियों एवं कर्मियों को अपने-अपने कार्यालयों को साफ-सुथरा, सुव्यवस्थित एवं अनुशासित रखने का निर्देश दिया। जिला विकास शाखा में फाइलों का रख-रखाव संतोषजनक नहीं पाए जाने पर संबंधित पदाधिकारी

को निर्देशित किया गया कि सभी फाइलों को आलमीरा में सुव्यवस्थित ढंग से संधारित किया जाए तथा कार्यालय में नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए। उप विकास आयुक्त द्वारा निदेशक, डीआरडीए को निर्देश दिया गया कि टूटी-फूटी एवं अनुपयोगी आलमीरा, कुर्सी एवं अन्य सामग्रियों की सूची तैयार कर नियमानुसार नीलामी की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इसके अतिरिक्त विकास भवन परिसर में जिला खनिज फाउंडेशन द्वारा निर्मित शौचालय की स्थिति असंतोषजनक पाए जाने पर समिति गठित कर साफ-सफाई की जिम्मेदारी सुनिश्चित करने का आदेश दिया गया।निरीक्षण के दौरान कल्याण पदाधिकारी से संचालित सभी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने समग्र सेवा के अंतर्गत लंबित आवेदनों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने तथा सभी छात्रावासों में गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। अवसर पर उन्होंने कहा कि कार्यालय की साफ-सफाई केवल एक दायित्व नहीं, बल्कि प्रशासनिक गुणवत्ता, अनुशासन एवं जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों का यह सामूहिक दायित्व है कि कार्यालयों को स्वच्छ, सुंदर एवं आदर्श बनाया जाए। स्वच्छ वातावरण में कार्य करने से कार्य की एकाग्रता बढ़ती है तथा नागरिकों में प्रशासन के प्रति विश्वास सुदृढ़ होता है। साफ-सुथरा कार्यालय संगठन की सकारात्मक छवि को मजबूत करता है। निरीक्षण के क्रम में उप विकास आयुक्त द्वारा पालना घर का भी निरीक्षण किया गया। पालना घर की व्यवस्थाओं को देखकर वे प्रसन्न हुईं तथा वहां बच्चों की उपस्थिति एवं देखभाल से संबंधित व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। मौके पर निदेशक डीआरडीए धीरज कुमार, वरीय लेखा पदाधिकारी संजय कुमार, जिला समन्वयक एलएसबीए अविनाश कुमार, डीपीओ मनरेगा विकेश कुमार, एमआईएस पीएमएवाई-जी अमित कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

एक नजर

कोचिंग संस्थानों में बीईओ ने औचक निरीक्षण से संचालकों में मची हड़कंप

सांझौली । प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी अफरोज आलम ने क्षेत्र के कोचिंग संचालकों को कड़ी चेतावनी देते हुए स्पष्ट कहा है कि विद्यालय समय में किसी भी स्थिति में कोचिंग संस्थान संचालित नहीं होने चाहिए। इसके लिए उन्होंने वीडियो संदेश जारी कर कोचिंग संचालकों से सरकारी गाइडलाइन का पालन करने की अपील की थी। इसके बावजूद कई कोचिंग संचालक बेखौफ होकर विद्यालय समय में अपनी कोचिंग चला रहे हैं। इससे शिक्षा विभाग के आदेशों की खुलेआम धज्जियां उड़ रही हैं। इसी कड़ी में शिक्षा पदाधिकारी अफरोज आलम ने बुधवार को सभी संचालित कोचिंग सेंटर का निरीक्षण किया। नाम नहीं छापने के शर्त पर लोगों ने बताया कि कोचिंग सेंटर कि मनमानी से छात्र छात्राओं को विद्यालय जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता हैं। साथ ही कई कोचिंग संस्थान बंद पाया गया बताया जाता है कि पिछले दिनों प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी की ओर से सभी कोचिंग केंद्रों को निर्देश दिया गया था कि सरकारी और गैर सरकारी विद्यालयों की अध्ययन-अवधि में किसी भी स्थिति में कोचिंग न चलाई जाए, ताकि बच्चों की नियमित उपस्थिति और पढ़ाई प्रभावित न हो।स्थानीय लोगों का कहना है कि शिक्षा विभाग के निर्देश के बावजूद कोचिंग सेंटरों का धड़ल्ले से चलना विभाग की लापरवाही को दशार्ता है। लोगों का कहना है कि यदि शिक्षा विभाग चाहे तो ऐसे कोचिंग संस्थानों पर तुरंत कारवाई की जाए। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी ने पुनः चेतावनी दी है कि यदि किसी भी कोचिंग संस्थान को विद्यालय समय में संचालित पाया गया, तो उसके विरुद्ध सख्त कारवाई की जाएगी। उन्होंने सभी संचालकों से अपील की है कि गाइडलाइन का पालन करते हुए अपनी कोचिंग निर्धारित समय के बाद ही संचालित करें,अन्यथा कारवाई के लिए तैयार रहें।

पुलिस ने इश्तिहार वारंटी को किया गिरफ्तार

काराकाट । रोहतास जिले के काराकाट थाना पुलिस ने 2003 के पुराने मामले में फरार चल रहे इश्तिहार वारंटी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया। थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के दहियाडी गांव निवासी राजबल्लव राम के पुत्र जनार्दन राम को गुप्त सूचना के आधार पर तैयारी गांव से दबिश देकर पकड़ा गया। उसके खिलाफ न्यायालय द्वारा लंबे समय से वारंट जारी था, लेकिन वह फरार घूम रहा था। गिरफ्तारी के बाद जनार्दन राम को कोतवाली लाकर पूछताछ की गई और न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने स्पष्ट किया कि पुलिस लगातार छापेमारी अभियान चला रही है। बचे हुए अपराधियों को जल्द पकड़ लिया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि थाना क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अपराधी गतिविधियां बर्दाश्त नहीं की जाएंगी।

पुलिस ने तीन शराब तस्करों को रंगेहाथ दबोच भेजा जेल

काराकाट । थाना क्षेत्र के काराकाट में बुधवार को लगने वाले पशु मेला में शराब बिक्री की गुप्त सूचना पर पुलिस ने छापेमारी की। काराकाट थाना पुलिस ने तीन शराब तस्करों को रंगे हाथों पकड़ लिया और उनके कब्जे से 11 पॉकेट कुल 1980 एमएल 8 पीएम ब्रांड की उत्तर प्रदेश स्पेशल सील विदेशी शराब जब्त की। गिरफ्तार तस्करों में नोखा थाना क्षेत्र के पिपरा गांव निवासी तुलसी शाह का पुत्र रामराज कुमार, काराकाट बाजार निवासी स्वर्गीय वकील गोसाई का पुत्र चिल्लर गोसाई और जोन्ही टोला निवासी मोतीलाल साह का पुत्र छोटू साह शामिल हैं। थाना अध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि पूछताछ के बाद सभी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। थानाध्यक्ष ने चेतावनी दी कि शराब तस्करी या सेवन में कोई ढील नहीं बरती जाएगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि शराब से जुड़े मामलों में सुधार लाएं, वरना जेल की हवा खानी पड़ सकती है। यह कार्रवाई शराबबंदी को सख्ती से लागू करने की मुहिम का हिस्सा है।

हथियार के साथ एक गिरफ्तार, देशी कट्टा व फरसा जब्त

बिक्रमगंज। थाना की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर नगर के धारूपुर निवासी स्वर्गीय सूर्यवंश सिंह के पुत्र मुन्नी सिंह उर्फ मुनि सिंह को हथियार के साथ गिरफ्तार किया है । पुलिस ने उसके पास से एक देशी कट्टा और एक लोहे का फरसा बरामद किया है । इस संबंध में थानाध्यक्ष ललन कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध बिक्रमगंज थाना कांड संख्या 853/25 दर्ज किया गया है ।आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने एवं जांच के उपरांत आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है । पुलिस मामले की आगे की जांच में जुटी हुई है ।

डिवाइडर में टकराने से हुई घटना,गाड़ी में रखे बैंग से लाखों रुपये गायब

सड़क दुर्घटना में तेज रफ्तार ने टोल प्लाजा मैनेजर की छीनी जिंदगी,एक व्यक्ति घायल

- घटना के बाद रजौली पुलिस त्वरित कार्रवाई में जुटी

केटी न्यूज/नवादा

गुरुवार को जिले के रजौली थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। यह दुर्घटना राष्ट्रीय राजमार्ग-20 पर रजौली टोल प्लाजा के पास घटित हुई, जहां एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो एसयूवी वाहन अनियंत्रित होकर सड़क के डिवाइडर से जा टकराई। जिस घटना में एक व्यक्ति की ईलाज क्रम में मौत हो गई। जबकि दूसरे जख्मी व्यक्ति हालत भी गंभीर है। घटना से जुड़ी,प्राप्त जानकारी के अनुसार, दुर्घटना इतनी भीषण थी कि वाहन के परखच्चे उड़ गए। इस हादसे में रजौली टोल प्लाजा के सेकंड मैनेजर मनोज कुमार गंभीर

रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार,एसयूवी की रफ्तार काफी तेज थी, जिसके कारण चालक वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा और सीधे डिवाइडर में टक्कर मार दिया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों सहित हाईवे पेट्रोलिंग की टीम सबसे पहले घटनास्थल पर पहुंचे। जहां आनन फानन में स्थानीय लोग और पुलिस की मदद से घायलों को तत्काल महुअर स्थित अनुमंडलीय अस्पताल रजौली में भर्ती कराया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक डॉ. दिलीप कुमार, डॉ. निवेदिता नंदिनी और डॉ. बरकत अली ने घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल नवादा रेफर कर दिया। घायलों में दिल्ली निवासी टोल मैनेजर सुमित धनकड़ एवं सेकेंड मैनेजर बक्सर निवासी गंगा प्रसाद के 30 वर्षीय पुत्र मनोज कुमार है। जहां इलाज के क्रम में टोल प्लाजा मैनेजर सुमित धनकड़ की मौत हो गई। घटना के संबंध में स्थानीय पुलिस ने इसकी सूचना मृतक के परिजनों को दे दी है।

घटना के वाहन से लाखों रुपये गायब की चर्चा

इस दुर्घटना के बाद एक नया मोड़ तब आया जब टोल कर्मियों ने दावा किया कि स्कॉर्पियो एसयूवी में रखे एक लाल रंग के बैग से करीब 18 से 20 लाख रुपये गायब हैं। टोल कर्मियों ने घटनास्थल पर पैसों की लूट होने की आशंका जताई है। हालांकि, पुलिस को वाहन से एक लाल रंग का बैग तो मिला है, लेकिन उसमें इतनी बड़ी राशि होने या उसकी लूट की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है।

पुलिस की घटना मामलें में कार्रवाई तेज

रजौली थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने बताया कि पुलिस मामले की गहनता से छानबीन कर रही है। दुर्घटना के कारणों और पैसों के गायब होने के दावों की जांच की जा रही है। रजौली क्षेत्र में हाल के दिनों में सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि देखी गई है। इससे पहले भी जर्जर सड़कों और तेज रफ्तार के कारण कई छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं रिपोर्ट की गई हैं। घटना के बाद स्थानीय प्रशासन ने दुर्घनाग्रस्त वाहन को हटाते हुए यातायात को सुचारू रूप से पुनः शुरू कराया। साथ ही चालकों से अपील की है कि वे ठंड के मौसम में धुंध और खराब मौसम को देखते हुए सुरक्षित गति से अपने वाहन चलाएं। ताकि उनकी जिंदगी सुरक्षित रहें।

छापेमारी अभियान चला उत्पाद विभाग शराब की बड़ी खेप किया जब्त,एक गिरफ्तार

- तस्कर पहाड़पुर से अंधरबारी ले जा रहें थे शराब, शराब के साथ ऑटो जब्त

केटी न्यूज/नवादा

रजौली थाना क्षेत्र के धर्मपुर मोड़ के समीप उत्पाद बलों ने गुरुवार को शराब से भरी एक टेम्पो को जब्त किया है। साथ ही एक शराब तस्कर सह टेम्पो चालक को भी गिरफ्तार किया है।उत्पाद अधीक्षक अरुण कुमार मिश्र ने बताया कि बिहार मद्दनिषेध को लेकर उत्पाद बलों के सहयोग से लगातार कार्रवाई की जा रही है।गुरुवार की सुबह गुप्त सूचना मिली कि गयाजी जिले के फतेहपुर थाना क्षेत्र के गुरुपा से होकर एक टेंपो से शराब नवादा जिले के रजौली थाना क्षेत्र के अंधरबारी में आपूर्ति देने हेतु आ रहा है।इस सूचना पर इस मोड़ पर नाकाबंदी कर टेंपो पिकअप निबंधन संख्या बीआर 2 जीए 6458 की तलाशी ली गई, तो इसमें रखा हुआ 400 लीटर महुआ देसी शराब बरामद किया

गया।बरामद शराब छोटे-छोटे पॉलिथीन की पन्नी में पैक किया हुआ था। ऑटो चालक को गिरफ्तार कर लिया गया और टेंपो को भी जब्त किया गया है।गिरफ्तार चालक सह तस्कर की पहचान फतेहपुर थाना क्षेत्र के रघुनाथपुर गांव निवासी स्व. सीताराम चौधरी के पुत्र विजय चौधरी के रूप में हुई है। पूछताछ में तस्कर द्वारा बताया गया कि सत्येंद्र कुमार नाम का व्यक्ति जो की फतेहपुर थाना अंतर्गत का रहने वाला है,वह टेंपो पिकअप के आगे आगे चल रहा था और उसके बताए स्थान पर वह शराब उतार देता। वही पूछताछ के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। इस घटना का सफल उद्भेदन मद्दनिषेध सहायक अवर निरीक्षक दीपक कुमार ने टीम के साथ किया।

ठगी का शिकार पीड़ित व्यक्ति के शिकायत पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

पुलिस ने 2 करोड़ के ठगी में राजद नेता को किया गिरफ्तार

केटी न्यूज/रोहतास

जिला पुलिस ने राजद नेता को गिरफ्तार किया है। राजद अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रदीप देव पर 2 करोड़ की ठगी करने का आरोप है.। रोहतास पुलिस की स्पेशल टीम ने गोपालगंज जिले से नेता को गिरफ्तार किया है। इसकी पुष्टि बिक्रमगंज के एसडीपीओ सह एएसपी संकेत कुमार ने की है। एएसपी के मुताबिक पटना के पंकज कुमार सिंह ने रोहतास जिले के नटवार थाना में केस दर्ज कराया था। गोपालगंज के रहने वाले राजद के अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रदीप देव उनसे रोहतास के नटवार के एफसीआई गोदाम से चावल दिलाने के नाम पर एक करोड़ 98 लाख रुपए अलग-अलग किस्तों में ले चुके हैं। इसके बाद अनाज नहीं दिया गया।

ठगी के मामलें दर्ज हुई शिकायत : पंकज को पता चला कि उसके साथ ठगी हुई है। ऐसे में

उन्होंने एक करोड़ 98 लाख रुपए के ठगी का आरोप लगाते हुए नटवार थाना में केस दर्ज कराया। जिस मामले में पुलिस ने गोपालगंज के प्रदीप देव सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। बता दें कि इस मामले में 11 लोगों को नामजद अभियुक्त बनाते हुए केस दर्ज किया गया था। इस संबंध में बिक्रमगंज एसडीपीओ साकेत कुमार का कहना है कि उक्त मामले में प्रदीव देव समेत 3 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अन्य की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। यह पूरी तरह से ठगी का मामला है। पुलिस के अनुसार वादी की शिकायत पर नटवार थाना में कांड संख्या 140/24 दर्ज कराया गया था। जांच के बाद यह मामला गबन का पाया गया, कुल मिलाकर इसमें 11 नामजद अभियुक्त थे। राजद नेता प्रदीप देव इसमें से प्राथमिक अभियुक्त थे।इस कांड में दो अन्य लोग संजय कुमार उर्फ अमित कुमार (सिसिरता) धर्मपुरा व दूसरे पंकज कुमार उर्फ वासु सिंह ठठेरी बक्सर की भी गिरफ्तारी हो चुकी है।

प्रधानमंत्री आवास विकास योजनाओं का बीडीओ ने किया जांच, दलालों से बचे

केटी न्यूज/रोहतास

प्रखंड अंतर्गत मंगरवलिया पंचायत अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 25-26 में संचालित एवं पूर्ण हो चुके कई विकास कार्यो का गुरूवार को बीडीओ रविराज ने जांच किया। इस दौरान मंगरवलिया पंचायत सरकार भवन का अवरूद्ध निर्माण कार्य का अवलोकन किया। कई आंगनबाडी केंद्र, मलांव, मंगरवलिया, शखरा एवं अमाडी आदी गांवों के लिए निर्मित छठ घाट, श्मशान घाट,पंचायत भवन में संचालित आरटीपीएस समेत अन्य विकास कार्य की अधतन स्थिति को देखा.कमी पाये जाने वाले केंद्र संचालको,एवं संवेदक को बेहतर कार्य के लिए निर्देशित किया।

बीडीओ ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए प्रखंड कार्यालय को आवेदन प्रदान करने वाले आवेदक दलालों के चक्कर में नहीं पड़े। जो सभी आवेदकों के घर पहुंच कर प्रथम चरण में आवास सहायक, पंचायत सचिव एवं सम्बन्धित पंचायत के मनरेगा पीआरएस द्वारा जांच किया जा रहा है। उनके जांच रिपोर्ट पर वे स्वयं जांच कर रहे हैं। बाद में जिला की टीम जांच करेगी, योग्य जरूरतमंदों को हीं आवास का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि मंगरवलिया पंचायत सरकार भवन का निर्माण पर जिला से अनुमती मिलने पर हीं पुनः शुरू होगा। मालूम हो की सरकार द्वारा स्वीकृत करोड़ो की लागत से छः माह पूर्व मंगरवलिया पंचायत सरकार भवन का निर्माण कार्य शुरू किया गया था.निर्माण के लिए अभी फाउंडेशन भी पुरी तरह तैयार नहीं हुआ था,तभी कमिशन राशि नहीं मिलने पर किसी ने जिला में घटिया निर्माण कराये जाने की शिकायत दर्ज करा दिया। जिस पर जिला की टीम ने जांच किया और गुणवत्तापूर्ण निर्माण नहीं पाये जाने पर तत्काल प्रभाव से निर्माण कार्य पर रोक लगा दी है।

पुल निर्माण परियोजना को लेकर प्रतिकर एवं पुनर्वासन समिति ने किया निरीक्षण

केटी न्यूज/नवादा

जिला अंतर्गत गुरुवार को सकरी नदी पर गोविन्दपुर पुल रोड, गोविन्दपुर प्रखंड में प्रस्तावित 540.80 मीटर आकार के उच्च स्तरीय आरसीसी पुल निर्माण परियोजना के संदर्भ में जिला पदाधिकारी,नवादा रवि प्रकाश के आदेश के आलोक में गठित छः सदस्यीय उचित प्रतिकर, पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन समिति द्वारा स्थल निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान परियोजना से प्रभावित सभी संबंधित रैयत स्थल पर उपस्थित रहे एवं उन्होंने समिति के समक्ष अपना-अपना पक्ष रखा। समिति में उपस्थित पदाधिकारियों द्वारा रैयतों की समस्याओं एवं आपत्तियों को गंभीरता से सुना गया तथा नियमानुसार उचित

कार्रवाई किए जाने का आश्वासन दिया गया। जिला प्रशासन द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया कि प्रभावित रैयतों के हितों की पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए पारदर्शी एवं न्यायोचित प्रक्रिया के तहत प्रतिकर, पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन की कार्रवाई की जाएगी, ताकि पुल निर्माण कार्य सुचारू रूप से आगे बढ़ सके। कोचिंग संस्थानों में बीईओ ने औचक निरीक्षण से संचालकों में मची हड़कंप

खगड़िया, पूर्णिया फोरलेन परियोजना को केन्द्र से मिली मंजूरी

एजेंसी। पटना

बिहार के खगड़िया, पूर्णिया फोरलेन सड़क परियोजना उत्तर बिहार के लिए गेम चेंजर बनेगी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने लोकसभा के प्रश्नकाल में जानकारी देते हुए बताया कि खगड़िया से पूर्णिया को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग-31 (NH-31) के फोरलेन निर्माण की परियोजना को विभाग स्तर की मंजूरी मिल चुकी है। वहीं अगले 15 दिनों में इस परियोजना को कैबिनेट से भी मंजूरी मिलने की संभावना है। इस महत्वाकांक्षी सड़क परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 4,000 करोड़ रुपये है। दरअसल, आज लोकसभा में खगड़िया सांसद राजेश वर्मा ने खगड़िया, पूर्णिया फोरलेन सड़कों के निर्माण से संबंधित जानकारी मांगी थी। इसके जवाब में

नितिन गडकरी ने बताया कि परियोजना के प्रारंभिक तकनीकी पहलुओं को लगभग पूरा कर लिया गया है। डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (DPR) तैयार कर ली गई है और भूमि अधिग्रहण से जुड़े काम में तेजी लाई जा रही है। मंत्री ने संकेत दिए कि कैबिनेट से मंजूरी मिलने के बाद टेंडर प्रक्रिया शुरू होगी और अगले एक से डेढ़ महीने में निर्माण कार्य भी शुरू हो जाएगा। फोरलेन बनने से यात्रा का समय घटेगा और कनेक्टिविटी बेहतर होगी। वर्तमान में खगड़िया से पूर्णिया के बीच केवल 2-लेन सड़क है, जिसकी स्थिति कई जगह खराब है। बारिश के मौसम में मार्ग और भी चुनौतीपूर्ण हो जाता है। लंबे समय तक जाम और दुर्घटनाओं की समस्या रहती है। फोरलेन सड़क बनने के बाद खगड़ियाझपूर्णिया यात्रा का समय लगभग 4 घंटे से घटकर 2 से 3 घंटे हो जाएगा। इससे न केवल दोनों जिलों के बीच यात्रा सुगम होगी, बल्कि पूरे सीमांचल और कोसी क्षेत्र की कनेक्टिविटी भी बेहतर होगी। आर्थिक विकास और रोजगार के अवसरों में वृद्धि। खगड़ियाझपूर्णिया फोरलेन सड़क का सबसे बड़ा लाभ कोसी और सीमांचल क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को मिलेगा। यह क्षेत्र लंबे समय से पिछड़ेपन और कनेक्टिविटी की कमी से जूझ रहा है। सड़क के निर्माण से कृषि उत्पादों जैसे मक्का, धान, केला और मछली की ढुलाई बड़े बाजारों तक आसान होगी। स्थानीय व्यापार को बढ़ावा मिलेगा और औद्योगिक निवेश की संभावनाएं भी बढ़ेंगी। निर्माण कार्य के दौरान हजारों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलने की संभावना है। स्थानीय युवाओं को काम मिलेगा और क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी। सड़क बनने के बाद ट्रांसपोर्ट, लॉजिस्टिक्स, होटल और अन्य सेवा क्षेत्रों का भी विकास होगा। इसके अलावा, बेहतर सड़क संपर्क से शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच में सुधार होगा, जिससे स्थानीय जीवन स्तर में भी सुधार आएगा।

एक नजर

सीएम नीतीश के व्यवहार से आहत महिला डॉक्टर ने छोड़ा बिहार, नहीं की नौकरी जॉइन

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से जुड़ा हिजाब विवाद अब राज्य की सीमा लांघकर राष्ट्रीय बहस का रूप ले चुका है। एक सरकारी कार्यक्रम के दौरान महिला डॉक्टर नुसरत परवीन का हिजाब हटाने की घटना के बाद नुसरत ने बिहार छोड़ दिया है। वे अब अपने परिवार के पास कोलकाता चली गई हैं। फिलहाल बिहार सरकार की नौकरी जॉइन नहीं करने का फैसला किया है।15 दिसंबर को हुई इस घटना के अगले ही दिन नुसरत बिहार से रवाना हो गई थीं। उन्हें 20 दिसंबर को सरकारी सेवा में योगदान देना था, लेकिन मानसिक आघात के कारण उन्होंने खुद को इसके लिए तैयार नहीं पाया। नुसरत का कहना है कि मुख्यमंत्री का इरादा जो भी रहा हो, लेकिन सार्वजनिक मंच पर जो हुआ, उसने उन्हें गहरी पीड़ा पहुंचाई। नुसरत परवीन ने कहा कि उन्होंने स्कूल से लेकर कॉलेज तक हिजाब में रहकर पढ़ाई की है। यह उनकी व्यक्तिगत आस्था और पहचान का हिस्सा रहा है। मैं यह नहीं कह रही कि मुख्यमंत्री ने जानबूझकर ऐसा किया, लेकिन वहां बहुत सारे लोग थे, कुछ हंस भी रहे थे। उनके पिता और भाई दोनों ने भरोसा दिलाया है कि परिवार हर स्थिति में उनके साथ खड़ा है। यह मामला अब सिर्फ एक व्यक्तिगत घटना नहीं रहा। विपक्ष इसे महिला सम्मान और अल्पसंख्यक अस्मिता से जोड़कर देख रहा है, जबकि सत्तापक्ष विवाद को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किए जाने का आरोप लगा रहा है। फिलहाल नुसरत परवीन कोलकाता में हैं।

घने कोहरे में भीषण सड़क हादसा: गोपालगंज में दो बस और ट्रक की टक्कर, एक की मौत

गोपालगंज। गोपालगंज से इस वक्त एक दर्दनाक सड़क हादसे की बड़ी खबर सामने आ रही है। घने कोहरे के कारण थावे मीरगंज बाईपास पर दो बसों और एक ट्रक के बीच भीषण टक्कर हो गई। इस भयावह हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दर्जनों यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह के समय इलाके में घना कोहरा छाया हुआ था, जिससे सड़क पर दृश्यता बेहद कम हो गई थी। इसी दौरान तेज रफ्तार से आ रही दो बसें और एक ट्रक आपस में टकरा गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बसों के अगले हिस्से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत कार्य में जुट गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को आनन-फानन में नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही है। कई घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभालते हुए राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाया गया, जिससे यातायात को दोबारा सुचारू किया जा सके। हादसे के कारण कुछ समय के लिए थावे मीरगंज बाईपास पर लंबा जाम भी लग गया। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और उसकी पहचान की प्रक्रिया जारी है। वहीं, दुर्घटना के कारणों की जांच भी शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक जांच में घना कोहरा और तेज रफ्तार को हादसे की मुख्य वजह माना जा रहा है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि घने कोहरे के दौरान वाहन चलाते समय विशेष सावधानी बरतें, धीमी गति से गाड़ी चलाएं और यातायात नियमों का पालन करें, ताकि इस तरह के दर्दनाक हादसों से बचा जा सके।

सरस मेला में पहुंचे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हस्तशिल्प व हस्तकरघा उत्पादों का किया अवलोकन

एजेंसी। पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज गांधी मैदान में आयोजित बिहार सरस मेला 2025 का भ्रमण किया और मेले में की गई व्यवस्थाओं तथा उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। इस दौरान संबंधित अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि बिहार सरस मेलाझ2025 का आयोजन 12 दिसंबर से 28 दिसंबर तक किया जा रहा है।अधिकारियों ने बताया कि इस मेले में बिहार के साथ-साथ देश के अन्य राज्यों से आए कारीगर और उत्पादक अपने उत्पादों की बिक्री कर रहे हैं। मेले में हस्तशिल्प, लोककला, हस्तकरघा उत्पादों के साथ-साथ देशी व्यंजनों की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई है।भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री ने मेले में लगाए गए विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण किया और वहां प्रदर्शित उत्पादों की जानकारी ली। इस मौके पर उपस्थित उत्पादकों एवं विक्रेताओं ने मुख्यमंत्री को बताया कि मेले में प्रदर्शित सामान को लोगों द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है और बिक्री भी अच्छी हो रही है। उन्होंने मेले की व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि सभी सुविधाएं बेहतर हैं।

जीविका दीदियों द्वारा निर्मित उत्पादों दिखाई खुशी

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार सरस मेला की अपनी एक अलग पहचान है। मेले में लगाए गए उत्पादों को देखकर खुशी होती है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। सतत जीविकोपार्जन योजना के तहत जीविका दीदियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है और उनके जीविका संवर्द्धन तथा स्वरोजगार के लिए सरकार हर संभव सहायता प्रदान कर रही है। मुख्यमंत्री ने प्रसन्नता जताई कि मेले में जीविका दीदियों द्वारा निर्मित उत्पादों के कई स्टॉल लगाए गए हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री कुमार रवि, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. चंद्रशेखर सिंह, जीविका के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी श्री हिमांशु शर्मा सहित कई वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

बिहार में बड़ा हादसा : करंट लगने से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत, पिता-पुत्र और भांजे की गई जान

एजेंसी। पटना

बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के कुढ़नी प्रखंड क्षेत्र के मलकौली गांव से एक अत्यंत दुखद और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां खेत में पटवन करने के दौरान बिजली की चपेट में आने से एक ही परिवार के तीन सदस्यों–पिता, पुत्र और भांजे–की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। इस तिहरे हादसे के बाद पूरे इलाके में कोहराम मच गया है और मलकौली गांव सहित आसपास के क्षेत्रों में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। जानकारी के अनुसार, मृतक चंदेश्वर राय अपने बेटे मिट्ठू कुमार और अपने भांजे के साथ खेत में फसलों की सिंचाई करने गए थे। इसी दौरान खेत में पहले से गिरे या प्रवाहित हो रहे हाई वोल्टेज बिजली के तार की चपेट में एक सदस्य आ गया। उसे बचाने के प्रयास में बाकी दोनों सदस्य भी बिजली की भीषण चपेट में आ गए। करंट इतना जोरदार था कि तीनों को संभलने का मौका तक नहीं मिला और घटनास्थल पर ही उनकी जान चली गई। मृतकों की पहचान

चंदेश्वर राय, उनके बेटे मिट्ठू कुमार और चंदेश्वर राय का भांजा के रूप में हुई है। जैसे ही इस भीषण हादसे की खबर मलकौली गांव में फैली, सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर दौड़ पड़े। एक साथ एक ही परिवार के तीन चिराग बुझने से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। चीख-पुकार से पूरा आसमान गूंज उठा। स्थानीय ग्रामीणों में बिजली विभाग के प्रति गहरा आक्रोश भी देखा जा रहा है। लोगों का कहना है कि जर्जर तारों और सुरक्षा मानकों की अनदेखी के कारण आए दिन ऐसे हादसे होते रहते हैं। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने इस दुखद घड़ी में शोक व्यक्त किया है और पीड़ित परिवार के लिए मुआवजे की मांग की है।

सुंदर लड़की से शादी का झांसा देकर 50 हजार की ठगी, कानपुर से सहरसा लाकर परिवार को छोड़ा

एजेंसी। सहरसा

सुन्दर लड़की से बेटे की शादी कराने के चक्कर में एक पिता को 50 हजार का चूना लग गया। यदि कोई सुंदर लड़की का फोटो दिखाकर आपसे कहे कि बेटे की शादी करेंगे, तो सावधान हो जाइए..आजकल सुन्दर लड़की से शादी कराने का झांसा देकर लोग पैसे की ठगी कर रहे हैं। ताजा मामला सहरसा के सदर थाना क्षेत्र से सामने आया है। जहां उत्तर प्रदेश के कानपुर के रहने वाले एक परिवार के साथ इसी तरह की ठगी हो गयी। कानपुर के एक परिवार को बेटे के शादी का झांसा देकर एक शख्स ने पहले 50 हजार रुपए ऐंठ लिया फिर कानपुर से ट्रेन में साथ बैठकर सहरसा जंक्शन पहुंचा और स्टेशन पर उन लोगों को छोड़कर खुद रफू चक्कर हो गया। उत्तर प्रदेश के कानपुर के कल्याणपुर गांव निवासी 22 वर्षीय पीड़ित राज कुमार ने बताया कि उनके एक पड़ोसी मोड्डू जाकिर हुसैन ने यह कहा कि बिहार के सहरसा जिले में उनका सुसराल है। जाकिर हुसैन ने आगे कहा कि उनके ससुराल के बगल में एक लड़की रहती है। जो काफी खुबसुरत है, एक बार देखेंगे तो पसंद हो जाएगा। ऐसा कह उसने मोबाइल के गैलरी में रखे एक लड़की का फोटो दिखाया और कहा कि इस सुन्दर लड़की से बेटे की शादी कीजिएगा। यदि लड़की पसंद है तो चलिए बिहार वहां आपके बेटे की शादी करवा दूंगा। मोबाइल में लड़की की तस्वीर को देखकर पूरा परिवार काफी खूश हुआ। जिस लड़की की तस्वीर उसने दिखाई वो बाकई काफी खुबसुरत थी। वह फोटो परिवार के हरेक सदस्य को पसंद आ गया है। सभी बेटे की शादी उस लड़की से करने को तैयार हो गये। फिर घर के 5 सदस्यों को उसने कहा कि चलिए सहरसा वहां हम शादी करवाते हैं। लेकिन कानपुर से सहरसा जाने से पहले मोहम्मद जाकिर ने उनसे 50 हजार रुपए ले लिया। कानपुर से वैशाली एक्सप्रेस ट्रेन में सवार होकर गुरुवार की सुबह साढ़े 10 बजे सभी सहरसा जंक्शन पहुंचे। मो. जाकिर हुसैन भी स्टेशन पर उतर गया। लेकिन बाथरुम जाने के बहाने वह अचानक गायल हो गया।

पंचायत चुनाव में जनगणना के आधार पर मिलेगा कोटा, पहली बार मल्टी पोस्ट ईवीएम से डाले जाएंगे वोट

एजेंसी। पटना

बिहार में पंचायत चुनाव दिसंबर 2026 से पहले पूरे करने जाएंगे। राज्य निर्वाचन आयोग ने कहा है कि नए सिरे से इस बार पदों को आरक्षित किया जाएगा। यानी इस बार जनगणना के आधार पर पंचायत चुनाव में कोटा मिलेगा। त्रिस्तरीय पंचायत में पदों का आरक्षण अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति को उसकी जनसंख्या के अनुपात में दिया जाता है अगर किसी निर्वाचन क्षेत्र में अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति की आबादी 25% है तो वहां उसे कोटि के पदों का आरक्षण भी 25% होगा। जब किस पदों में करीब 20% अत्यंत पिछड़ा वर्ग के खाते में जाएंगे पदों का आरक्षण जिला दंडाधिकारी द्वारा नियमानुसार किया जाएगा। किसी भी ग्राम पंचायत के वार्ड सदस्यों का आरक्षण उनके कुल पदों की संख्या के आधार पर तय होगा मुखिया के पदों का आरक्षण एक पंचायत समिति के अंदर आने वाले ग्राम पंचायत पर निर्धारित होगा।पंचायत समिति सदस्यों का आरक्षण उसे पंचायत समिति के कुल सदस्यों के आधार

पर घोषित होगा। प्रखंड प्रमुख पद का आरक्षण हर जिले में कुल पदों की संख्या का 50% होगा। जिला परिषद सदस्यों का आरक्षण हर जिलों में उसकी कुल संख्या को आधार मानकर किया जाएगा यह कुल पदों का 50% होगा। जिला परिषद अध्यक्ष के पदों का आरक्षण राज्य में जिला परिषद अध्यक्षों के कुल पदों का 50% होगा। इधर राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार राज्य में पंचायत आम चुनाव मल्टी पोस्टी५ से कराए जाएंगे। इसमें सभी पद ग्राम पंचायत सदस्य मुखिया पंचायत समिति सदस्य जिला परिषद सदस्य ग्राम कचहरी सरपंच एवं पांच के चुनाव के लिए मतदान मल्टी पोस्ट एवं से होंगे इस संबंध में पहले ही राज्य सरकार द्वारा नीतिगत निर्णय लिया गया है।

बिहार के कई जिलों में घना कोहरा, यलो अलर्ट भी जारी, 24 घंटे बाद और बढ़ेगी ठंड

एजेंसी। पटना

बिहार में आज सुबह जब लोगों ने अपने घर की खिड़कियां खोली तो हैरान रह गए। घने कोहरे के कारण घर के बाहर 20 मीटर दूर भी देखना मुश्किल लग रहा था। पटना, दरभंगा समेत कई जिलों में घने कोहरे से लोग परेशान दिखे। धूप नहीं निकलने के कारण काफी ठंड महसूस हो रही है। बच्चे ठिठुरते हुए स्कूल जाते दिखे। अभिभावक पिछले दो दिन से स्कूल बंद करने की गुहार लगा रहे हैं लेकिन जिलाधिकारियों ने अब तक उनकी गुहार नहीं सुनी है। मौसम विज्ञान केंद्र ने बिहार के कई जिलों में घने कोहरे का अलर्ट जारी किया है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार,

गुरुवार को पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सीवान, सारण, सीतामढ़ी, शिवहर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, वैशाली, पटना, भोजपुर, बक्सर, कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, अरवल, जहानाबाद, गया, नालंदा, नवादा, शेखपुरा, लखीसराय, जमुई, बांका, भागलपुर, मुंगेर, बेगूसराय, खगड़िया, दरभंगा और मधुबनी जिलों के कुछ हिस्सों में अगले तीन घंटे के दौरान एक-दो स्थानों पर घना कोहरा छाए रहने की प्रबल संभावना है। इसे देखते हुए यलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने लोगों से सतर्क और सावधान रहने की अपील की है। खासकर यात्रा करने वालों को वाहन चलाते समय विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है, क्योंकि दृश्यता कम होने से सड़क और हवाई यातायात प्रभावित हो सकता है। मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो चुका है। इस कारण उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में दिखने लगा है। तेज पछुआ हवा के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। दिन में धूप निकलने पर भी कनकनी हो रही है। नमी और ठंडी हवा के मिलने के कारण कोहरा बढ़ रहा है। मौसम वैज्ञानिक ने स्पष्ट कहा है कि अगले 24 घंटे के बाद दिन बाद ठंड और तेजी से बढ़गी। 22 दिसंबर के बाद बिहार में कोल्ड वेव जैसी स्थिति बन सकती है। यानी दिन का तापमान भी सामान्य से नीचे चला जाएगा। 18 और 19 दिसंबर को पश्चिमी एवं उत्तर मध्य बिहार के जिलों में सुबह घना कोहरा रहने के आसार हैं। इसके अलावा अगले तीन दिनों के दौरान राज्य के शेष हिस्सों में हल्के से मध्यम स्तर का कोहरा छाए रहने की संभावना जताई गई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटों के दौरान बिहार का मौसम पूरी तरह शुष्क बना रहा। इस अवधि में राज्य का सर्वाधिक अधिकतम तापमान 28.2 डिग्री सेल्सियस फॉरबिसगंज (अररिया) में दर्ज किया गया, जबकि राज्य का अधिकतम तापमान 22.5 से 28.2 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। वहीं न्यूनतम तापमान की बात करें तो सबसे कम न्यूनतम तापमान 9.1 डिग्री सेल्सियस 17 दिसंबर को सबौर (भागलपुर) में दर्ज किया गया और राज्य का न्यूनतम तापमान 9.1 से 15.6 डिग्री सेल्सियस के बीच बना रहा। मौसम विभाग के अनुसार बीते 24 घंटों में अधिकतर हिस्सों में तापमान में कोई खास बदलाव नहीं देखा गया।

बिहार में अवैध शराब निर्माण का भंडाफोड़ पुलिस ने 4 लोगों को किया गिरफ्तार

एजेंसी। पटना

बिहार के मुंगेर जिले में अवैध शराब निर्माण के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। मुफस्सिल थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गंगापार जाफरनगर दियारा के समीप हेरूदियारा इलाके में छापेमारी कर देशी शराब की भट्ठी को ध्वस्त किया। पुलिस को सूचना मिली थी कि उक्त क्षेत्र में लंबे समय से अवैध रूप से महुआ से देशी शराब का निर्माण किया जा रहा है। छापेमारी के दौरान मौके से भारी मात्रा में शराब बरामद की गई। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान 140 लीटर महुआ से बनी देशी शराब जब्त की, साथ ही शराब निर्माण में प्रयुक्त उपकरणों को भी नष्ट किया गया। इस दौरान अवैध शराब निर्माण में संलिप्त चार धंधेबाजों को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया। मुफस्सिल थानाध्यक्ष विपिन कुमार सिंह ने बताया कि गिरफ्तार सभी आरोपी मौके पर शराब बनाते हुए पकड़े गए हैं। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि शराब की आपूर्ति आसपास के इलाकों में की जाती थी। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस अवैध कारोबार से और कौन-कौन लोग जुड़े हुए हैं। पुलिस थाना लौटने के बाद सभी आरोपियों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कर रही है। आरोपियों पर बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया जाएगा।